Holistic and Multidisciplinary Education in Higher Education: NEP 2020 का नया दृष्टिकोण

(उच्च शिक्षा में समग्र एवं बहुविषयक शिक्षा: नई शिक्षा नीति 2020 का नया दृष्टिकोण)

DR. RAJKUMARI GAJPAL
Guest Lecturer (Department Of Sociology)
S.D.N. Govt. College Arjunda
Dist – Balod (C.G.)
Email – rajgajpal1980@gmail.com

Abstract (सारांश)

नई शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) भारत की शिक्षा व्यवस्था में एक ऐतिहासिक परिवर्तन लाने का प्रयास है। यह नीति उच्च शिक्षा में **समग्र (Holistic)** तथा **बहुविषयक (Multidisciplinary)** शिक्षा को बढ़ावा देती है, जिससे विद्यार्थी केवल किसी एक विषय तक सीमित न रहकर विभिन्न विषयों का ज्ञान प्राप्त कर सकें। NEP 2020 का उद्देश्य विद्यार्थियों के अंदर **क्रिटिकल थिंकिंग, रचनात्मकता, नैतिकता, कौशल विकास नवाचार तथा रोजगार क्षमता** को विकसित करना है। इस नीति के अंतर्गत **Academic Bank of Credits (ABC), Multiple Entry-Exit System, Skill आधारित शिक्षा, Research आधारित शिक्षा तथा भारतीय ज्ञान परंपरा** को महत्व दिया गया है। यह शोध पत्र NEP 2020 के अंतर्गत उच्च शिक्षा में समग्र और बहुविषयक दृष्टिकोण का विश्लेषण करता है तथा इसके लाभ, चुनौतियों और संभावनाओं पर प्रकाश डालता है।

Key Words : NEP 2020, Holistic Education, Multidisciplinary Education, Higher Education, Skill Development, ABC.

1. प्रस्तावना (Introduction)

भारत में लंबे समय से उच्च शिक्षा व्यवस्था एक सीमित ढांचे में कार्य करती रही है, जहाँ विद्यार्थी किसी एक विषय विशेष में पढ़ाई करके उसी क्षेत्र तक सीमित रह जाते थे। इसके परिणामस्वरूप विद्यार्थियों में **सृजनात्मकता, समस्या समाधान क्षमता, व्यावहारिक ज्ञान और रोजगार क्षमता** का विकास अपेक्षित स्तर तक नहीं हो पाता था।

NEP 2020 ने इस पारंपरिक प्रणाली में परिवर्तन करते हुए उच्च शिक्षा में **समग्र और बहुविषयक शिक्षा** को लागू करने का प्रस्ताव रखा। यह नीति मानती है कि वर्तमान वैश्विक युग में सफलता केवल विषयगत ज्ञान से नहीं बल्कि **कौशल, नवाचार, आलोचनात्मक चिंतन और बहु-क्षेत्रीय ज्ञान** से संभव है।

2. अध्ययन की आवश्यकता (Need of the Study)

समकालीन समाज और अर्थव्यवस्था में रोजगार के स्वरूप तेजी से बदल रहे हैं। आज उद्योगों को ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जो केवल डिग्रीधारी न हों बल्कि **कौशलयुक्त, समस्या समाधानकर्ता और बहुआयामी सोच वाले** हों।

इसलिए उच्च शिक्षा में समग्र और बहुविषयक शिक्षा की आवश्यकता निम्न कारणों से महत्वपूर्ण है :

- एकांगी शिक्षा से विद्यार्थियों का विकास सीमित होता है।
- व्यावहारिक और कौशल आधारित शिक्षा की मांग बढ़ रही है।
- रोजगार बाजार में बहु-कौशल (Multi-skilling) आवश्यक हो गया है।
- नई शिक्षा नीति के प्रभाव का अध्ययन आवश्यक है।

3. शोध के उद्देश्य (Objectives of the Study)

इस शोध पत्र के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं :

1. NEP 2020 के अंतर्गत समग्र एवं बहुविषयक शिक्षा की अवधारणा का अध्ययन करना
2. उच्च शिक्षा में बहुविषयक शिक्षा के महत्व का विश्लेषण करना
3. NEP 2020 द्वारा प्रस्तावित प्रमुख सुधारों की समीक्षा करना
4. इस व्यवस्था को लागू करने में आने वाली चुनौतियों का अध्ययन करना
5. प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सुझाव प्रस्तुत करना

4. शोध पद्धति (Research Methodology)

यह शोध पत्र **वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक (Descriptive and Analytical)** प्रकृति का है। इसमें द्वितीयक आंकड़ों (Secondary Data) का उपयोग किया गया है।

डेटा स्रोत :

- NEP 2020 के सरकारी दस्तावेज
- UGC, AICTE, NAAC रिपोर्ट
- विभिन्न शोध पत्र, पुस्तकें एवं जर्नल
- शिक्षा संबंधित वेबसाइट और रिपोर्ट

5. समग्र शिक्षा की अवधारणा (Concept of Holistic Education)

समग्र शिक्षा का अर्थ केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थी के **शारीरिक, मानसिक बौद्धिक, नैतिक, सामाजिक और भावनात्मक** विकास पर आधारित होती है ।

समग्र शिक्षा का लक्ष्य है कि विद्यार्थी :

- **आत्मनिर्भर बनें**
- **जीवन कौशल सीखें**
- **नैतिक मूल्यों को समझें**
- **समाज और संस्कृति से जुड़ें**
- **व्यावहारिक ज्ञान विकसित करें**

NEP 2020 समग्र शिक्षा को "Education for Life" के रूप में देखती है ।

6. बहुविषयक शिक्षा की अवधारणा (Concept of Multidisciplinary Education)

बहुविषयक शिक्षा का अर्थ है कि विद्यार्थी को एक ही विषय में सीमित रखने के बजाय विभिन्न विषयों जैसे :

- विज्ञान
- कला
- वाणिज्य
- गणित
- समाजशास्त्र
- अर्थशास्त्र
- तकनीकी शिक्षा
- साहित्य

का मिश्रित अध्ययन करने का अवसर दिया जाए ।

उदाहरण के लिए, यदि कोई छात्र अर्थशास्त्र पढ़ रहा है तो वह साथ में **डेटा साइंस, राजनीति विज्ञान मनोविज्ञान या प्रबंधन** भी पढ़ सकता है ।

7. NEP 2020 में समग्र और बहुविषयक शिक्षा के प्रमुख प्रावधान

(1) Multiple Entry और Multiple Exit System

NEP 2020 ने उच्च शिक्षा में **Multiple Entry-Exit** की सुविधा दी है ।

- 1 वर्ष बाद Certificate
- 2 वर्ष बाद Diploma
- 3 वर्ष बाद Bachelor Degree
- 4 वर्ष बाद Bachelor with Research

यह व्यवस्था विद्यार्थियों को लचीलापन प्रदान करती है ।

(2) Academic Bank of Credits (ABC)

NEP 2020 में **ABC** एक डिजिटल व्यवस्था है जिसमें विद्यार्थी द्वारा अर्जित क्रेडिट जमा होते हैं ।
यह क्रेडिट भविष्य में किसी अन्य संस्थान में ट्रांसफर किए जा सकते हैं ।

(3) चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (4 Year UG Program)

NEP 2020 में 4 वर्षीय स्नातक कोर्स को बढ़ावा दिया गया है जिसमें Research और कौशल विकास पर विशेष जोर है ।

(4) कौशल आधारित शिक्षा (Skill Based Education)

NEP 2020 का उद्देश्य केवल डिग्री नहीं बल्कि कौशल विकसित करना है जैसे :

- डिजिटल स्किल
- संचार कौशल
- उद्यमिता
- तकनीकी प्रशिक्षण
- व्यावसायिक कौशल

(5) भारतीय ज्ञान परंपरा का समावेश (IKS)

NEP 2020 में भारतीय ज्ञान परंपरा जैसे :

- योग
- आयुर्वेद
- वैदिक गणित
- भारतीय दर्शन
- संस्कृत साहित्य

को पाठ्यक्रम में शामिल करने की बात कही गई है ।

8. उच्च शिक्षा में समग्र और बहुविषयक शिक्षा का महत्व

(1) रोजगार क्षमता में वृद्धि

बहुविषयक शिक्षा से विद्यार्थी अधिक स्किलफुल बनते हैं और रोजगार पाने की संभावना बढ़ती है ।

(2) रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा

जब विद्यार्थी अलग-अलग विषयों को जोड़कर सीखते हैं तो नई सोच विकसित होती है ।

(3) Critical Thinking और Problem Solving Skill

समग्र शिक्षा से विद्यार्थियों में समस्या समाधान क्षमता बढ़ती है ।

(4) समाज और नैतिक मूल्यों की समझ

समग्र शिक्षा विद्यार्थियों को सामाजिक जिम्मेदारी और नैतिकता सिखाती है ।

(5) Research और Higher Studies को बढ़ावा

4 वर्षीय UG with Research से अनुसंधान संस्कृति विकसित होती है ।

9. NEP 2020 के तहत बहुविषयक शिक्षा का नया मॉडल

NEP 2020 के अनुसार विश्वविद्यालयों में :

- **Flexible Curriculum**
- **Choice Based Credit System (CBCS)**
- **Interdisciplinary Courses**
- **Minor और Major System**

को बढ़ावा दिया जाएगा ।

उदाहरण :

- Major : Economics
- Minor : Data Science
- Skill Course : Communication Skills

10. चुनौतियाँ (Challenges in Implementation)

(1) संसाधनों की कमी

बहुविषयक शिक्षा के लिए पर्याप्त शिक्षक, लैब, पुस्तकालय, डिजिटल संसाधन आवश्यक हैं ।

(2) प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी

अनेक कॉलेजों में ऐसे शिक्षक नहीं हैं जो interdisciplinary teaching कर सकें ।

(3) प्रशासनिक जटिलताएँ

Multiple Entry-Exit और ABC सिस्टम को लागू करना आसान नहीं है ।

(4) ग्रामीण और शहरी संस्थानों में असमानता

ग्रामीण कॉलेजों में संसाधन कम होने से असमानता बढ़ सकती है ।

(5) मानसिकता में बदलाव की आवश्यकता

विद्यार्थी और शिक्षक दोनों अभी भी पारंपरिक शिक्षा मॉडल में विश्वास करते हैं ।

11. प्रमुख निष्कर्ष (Findings)

इस अध्ययन से निम्न निष्कर्ष प्राप्त होते हैं :

1. NEP 2020 उच्च शिक्षा को अधिक लचीला और समग्र बनाने की दिशा में प्रभावी कदम है।
2. बहुविषयक शिक्षा से रोजगार क्षमता और कौशल विकास में वृद्धि होगी।
3. Academic Bank of Credits से शिक्षा प्रणाली अधिक पारदर्शी और आधुनिक बनेगी।
4. Implementation में संसाधन और प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी बड़ी बाधा है।
5. यदि नीति को सही तरीके से लागू किया गया तो भारत की उच्च शिक्षा वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकती है।

12. सुझाव (Suggestions)

1. विश्वविद्यालयों में interdisciplinary courses के लिए प्रशिक्षित फैकल्टी नियुक्त की जाए
2. डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जाए ताकि ABC सिस्टम सफल हो सके।
3. ग्रामीण कॉलेजों को विशेष वित्तीय सहायता दी जाए।

4. विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाने हेतु orientation programs चलाए जाएँ।
5. शिक्षकों को नियमित FDP और Training Programs दिए जाएँ।
6. Research culture विकसित करने हेतु funding और mentorship बढ़ाई जाए।

13. निष्कर्ष (Conclusion)

नई शिक्षा नीति 2020 भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली को **समग्र, बहुविषयक, कौशल-आधारित और रोजगार उन्मुख** बनाने का प्रयास है। यह नीति विद्यार्थियों को केवल डिग्री तक सीमित न रखकर उन्हें जीवनोपयोगी कौशल, नैतिकता और नवाचार से जोड़ती है।

समग्र और बहुविषयक शिक्षा आधुनिक युग की आवश्यकता है क्योंकि आज का समाज बहु-कौशल और बहु-ज्ञान की मांग करता है। हालांकि नीति के क्रियान्वयन में संसाधन, प्रशिक्षित शिक्षक और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की चुनौतियाँ हैं, फिर भी यदि इसे चरणबद्ध और योजनाबद्ध तरीके से लागू किया जाए तो यह भारत की शिक्षा व्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकती है।

संदर्भ सूची (References)

1. Government of India (2020). *National Education Policy 2020*, Ministry of Education.
2. University Grants Commission (UGC) Reports on Higher Education Reforms.
3. NAAC (2021). *Quality Enhancement Practices in Higher Education*.
4. AICTE (2020-2022). *Skill Development and Innovation Reports*.
5. Kumar, R. (2021). *Multidisciplinary Education and NEP 2020*, Education Journal.
6. Sharma, P. (2022). *Holistic Education in India: Challenges and Opportunities*, Research Paper Publication.